उपवाक्य–

जब किसी वाक्य में दो या दो से अधिक वाक्य किसी संयोजक से जुड़े हों, तो उन्हें उपवाक्य कहते हैं।

जैसे– कृष्ण बाँसुरी बजाता है और राधा गाना गाती है तथा ग्वाले गाय चराते हैं।

उपवाक्य

उपवाक्य

उपवाक्य

उपवाक्य के तीन भेद:-

① → स्वतंत्र उपवाक्य

② → प्रधान उपवाक्य

③ → आश्रित उपवाक्य

(i) संज्ञा आश्रित

(ii) विशेषण आश्रित

(iii) क्रिया विशेषण आश्रित

① स्वतंत्र उपवाक्य–

जो उपवाक्य किसी पर आश्रित न होकर अपने आप में स्वतंत्र होता है, स्वतंत्र उपवाक्य कहलाता है।

जैसे– रवि क्रिकेट खेलता है और मोहित फुटबॉल खेलता है।

स्वतंत्र उपवाक्य संयोजक स्वतंत्र उपवाक्य

② प्रधान उपवाक्य -

जब कोई उपवाक्य मिश्र वाक्य के मुख्य उद्देश्य और मुख्य विधेय से बना हो, तो उसे प्रधान उपवाक्य कहते हैं।

जैसे - गांधीजी ने कहा कि सदा सत्य बोलो।

प्रधान उपवाक्य — आश्रित उपवाक्य

मोहन ने कहा कि मैं राधा की मटकी तोड़ूँगा।

प्रधान उपवाक्य — आश्रित उपवाक्य

विजय ने कहा कि मैं आज विद्यालय नहीं जाऊँगा।

प्रधान उपवाक्य — आश्रित उपवाक्य

③ आश्रित उपवाक्य -

जिस उपवाक्य का अर्थ प्रधान उपवाक्य के आश्रित रहता है, आश्रित उपवाक्य कहलाता है।

जैसे - सीमा ने कहा कि मैं आज खाना नहीं पकाऊँगी।

प्रधान उपवाक्य — आश्रित उपवाक्य

आश्रित उपवाक्य के तीन उपभेद :-

(i) → संज्ञा आश्रित

(ii) → विशेषण आश्रित

(iii) → क्रिया विशेषण आश्रित

(i) संज्ञा आश्रित उपवाक्य –

जो उपवाक्य किसी प्रधान उपवाक्य की संज्ञा या संज्ञा पदबंध पर आश्रित हो, उसे संज्ञा आश्रित उपवाक्य कहते हैं।

जैसे – मैं चाहता हूँ कि आप सभी सफल हो जाएँ।

प्रधान उपवाक्य — आश्रित उपवाक्य

विवेक ने कहा कि आज बरसात हो सकती है।

प्रधान उपवाक्य — आश्रित उपवाक्य

मेरे जीवन का उद्देश्य है कि मैं समाज सेवा करूँ।

प्रधान उपवाक्य — आश्रित उपवाक्य

कोई आपकी मदद करे या न करे, मैं करूँगा।

आश्रित उपवाक्य — प्रधान उपवाक्य

नीहारिका चाहती है कि वह पढ़-लिखकर प्रोफेसर बने।

प्रधान उपवाक्य — आश्रित उपवाक्य

हरीश ने रोते हुए कहा कि अगर तुम होते तो मैं आज एक सफल इंसान बनता।

प्रधान उपवाक्य — आश्रित उपवाक्य